WELCOME

During your visit to Lorne and surrounds, you will see many cockatoos.

PLEASE DO NOT FEED COCKATOOS AT ANY TIME

Feeding cockatoos seed mix, or human food such as chips or bread makes them reliant on us for food.

Expecting you to feed them, hungry cockatoos can become aggressive and pester you and your family for food.

Cockatoos are wild birds. They can scratch and bite you.

The bushland around Lorne has a wide variety of natural food sources for cockatoos, so they won't be missing out if you don't feed them. Cockatoos are a protected native species under the *Wildlife Act 1975* and it is an offence to injure or kill them.

Feeding cockatoos can help in the spread of diseases between birds like Psittacine Beak & Feather Disease, which is untreatable and fatal. There are also health risks to people as bird droppings may contain harmful bacteria and viruses.

The Department of Energy, Environment and Climate Action (DEECA) is the responsible authority for all wildlife, including cockatoos. To discuss cockatoo management, contact DEECA on **136 186**.

Surf COAST SHIRE

आपका स्वागत है

Lorne (लोर्न) और उसके आसपास के क्षेत्रों की आपकी यात्रा के दौरान, आपको कई कॉकटू पक्षी दिखाई देंगे।

कृपया किसी भी समय कॉकटू को कुछ खाने को न दें

कॉकटू को मिश्रित बीज, या चिप्स या ब्रैड जैसे मानव भोजन खिलाने से वे भोजन के लिए हम पर निर्भर हो जाते हैं।

आपके द्वारा उन्हें खाने को कुछ देने की उम्मीद करते हुए, भूखे कॉकटू आक्रामक हो सकते हैं और आपको और आपके परिवार को भोजन के लिए परेशान कर सकते हैं।

कॉकटू जंगली पक्षी हैं। वे आपको खरोंच सकते हैं और काट सकते हैं।

Lorne के आसपास की घास और झाड़ियों में कॉकटू के लिए विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक खाद्य स्रोत हैं, इसलिए यदि आप उन्हें खाना नहीं खिलाएंगे तो ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई भोजन नहीं मिलेगा। कॉकटू *वन्यजीव अधिनियम 1975 (Wildlife Act 1975)* के तहत एक संरक्षित देशी प्रजाति है और उन्हें घायल करना या मारना अपराध है।

कॉकटू को खाने को कुछ देने से पक्षियों के बीच सिटासिन चोंच और पंख रोग (Psittacine Beak & Feather Disease) जैसी बीमारियों के फैलने में मदद मिल सकती है, जो लाइलाज और प्राणघातक होती है। लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरे हैं क्योंकि पक्षियों की बीट (मल) में हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस हो सकते हैं।

ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु कार्रवाई विभाग (Department of Energy, Environment and Climate Action, DEECA) कॉकटू सहित सभी वन्यजीवों के लिए जिम्मेदार प्राधिकरण है। कॉकटू प्रबंधन की चर्चा करने के लिए, DEECA से **136 186** पर संपर्क करें।